दि० 28/04/2020 U.D.S.

B.Ed. परिकल्पना Hypothesis I year

परिकल्पना को अंग्रेजी में Hypothesis कहते हैं जो दो शब्दों Hypo और thesis से मिलकर बना है। हाइपो (Hypo) का अर्थ होता है—सम्भावित या जिसकी पुष्टि की जाय, तथा थिसिस (thesis) का अर्थ होता है—समस्या का समाधान कथन। इस प्रकार परिकल्पना (Hypothesis) का अर्थ हुआ—वह सम्भावित कथन जो समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। अतः परिकल्पना ऐसे समाधान को प्रस्तुत करती है जिसकी पुष्टि प्रदत्तों (Data) से किया जाता है। परिकल्पना एक उपकथन या समस्या समाधान की अवधारणा है। शोधकर्ता उसकी पुष्टि करने का प्रयास करता है। शोध की समस्त क्रियाएं परिकल्पना पर केन्द्रित होती हैं। परिकल्पना को सम्भावित समाधान या सिद्धान्त भी कहते हैं। इसे अस्थायी रूप से सही मानकर इसकी पुष्टि का प्रयास किया जाता है।

परिकल्पना की ~~परिभाषा~~ ~~Definition~~ ~~प्रकृति~~ (Nature of Hypothesis)

1- परिकल्पना—परिभाषा Definition

1— परिकल्पना सम्भावित माना हुआ समस्या का हल होता है जिसकी व्याख्या उन परिस्थितियों में निरीक्षण के आधार पर की जा सकती है।
— जेम्स ई० ग्रीटन

2- परिकल्पना एक सम्भावित सामाजीकरण होता है जिसकी वैधता की जाँच की जाती है। इसकी प्राथमिक अवस्था एक काल्पनिक समाधान के रूप में होती है जो बाद में शोधकार्यों का आधार हो जाता है। — लंगबर्ग

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

3- परिकल्पना इस बात का वर्णन करती है कि हम क्या देखना चाहते हैं। परिकल्पना भविष्य की ओर देखती है। यह एक तर्कपूर्ण वाक्य है जिसकी वैधता की परीक्षा की जा सकती है। यह सत्य भी हो सकती है और गलत भी।

— गुड तथा हैट

4- परिकल्पना एक प्रयोग सम्बन्धी सामान्यीकरण है जिसकी वैधता की जाँच होती है। अपने मूल रूप में परिकल्पना एक अनुमान या काल्पनिक विचार हो सकता है जो आगे के अनुसंधान के लिए आधार बनता है।

— लुण्डबर्ग

5- परिकल्पना अनुसंधान की समस्या के लिए सुझाया गया उत्तर है। — टाउनसेण्ड

परिकल्पना के स्रोत Sources of Hypothesis

1- संस्कृति Culture:
प्रत्येक समाज में अनेक समस्याएं होती हैं, इन समस्याओं के चिंतन से परिकल्पना का जन्म होता है।

2- विज्ञान Science सभी विज्ञान स्वयं में परिकल्पना के स्रोत हैं। मनोविज्ञान में अनेक समस्याएं हैं जिनके समाधान के लिए हम परिकल्पना कर सकते हैं।

3- प्राप्त परिकल्पनाओं के विश्लेषण से भी परिकल्पना का निर्माण कर सकते हैं।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

4- व्यक्तिगत अनुभव भी परिकल्पना का आधार होता है।

5- रचनात्मक चिंतन भी परिकल्पना के निर्माण का आधार बनता है।

6- अनुसंधान कर्ता की सूझ भी समुचा समाधान हेतु अच्छी परिकल्पना का निर्माण कर सकते हैं।

महत्व एवं विशेषताएँ

परिकल्पना का कार्य शोधकर्ता को उचित दिशा निर्देश उपलब्ध कराना है। इससे संदिग्धता एवं भ्रम की स्थिति समाप्त हो जाती है। सम्पक तथ्यों एवं आंकड़ों के संकलन हेतु सही दिशा मिल जाती है जिसकी तत्सम्बन्धी शोध हेतु आवश्यकता होती है। परिकल्पना द्वारा यह स्पष्ट हो जाता है कि कार्य हेतु उपयुक्त तरीका एवं उचित प्रविधि क्या होनी चाहिए। परिकल्पना से समस्या सम्बन्धी तथ्यों का चयन सरल हो जाता है। समस्या का दायरा तय हो जाने से तत्सम्बन्धी आकड़ों का संग्रहण निश्चित हो जाता है।

अच्छी परिकल्पना में निम्न विशेषताएं होती हैं-

1- उपयुक्त हल (Adequate Solution)
2- स्पष्टता (clarity)
3- सरलता (Simplicity)
4- सत्यापनीयता (Verifiablity)
5- विनिर्दिष्टता (specificity)
6- मितव्ययता (Frugality)
7- तार्किक बोधगम्यता (Logical comprehensibility)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

B. संगतता (Consistency)

Methods of Datacollection

सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु प्रयुक्त वांछित आंकड़ों के संग्रह की दो विधियां हैं — संगम या गणना विधि और सैंपल अर्थात न्यादर्श विधि। गणना विधि सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु प्रयुक्त वांछित आंकड़ों के संग्रह की विधि जिसमें सभी सम्बद्ध इकाइयों अथवा वस्तुओं की गणना की जाती है, गणना विधि कहलाती है।

क्षेत्रीय सूचनाओं के स्रोत

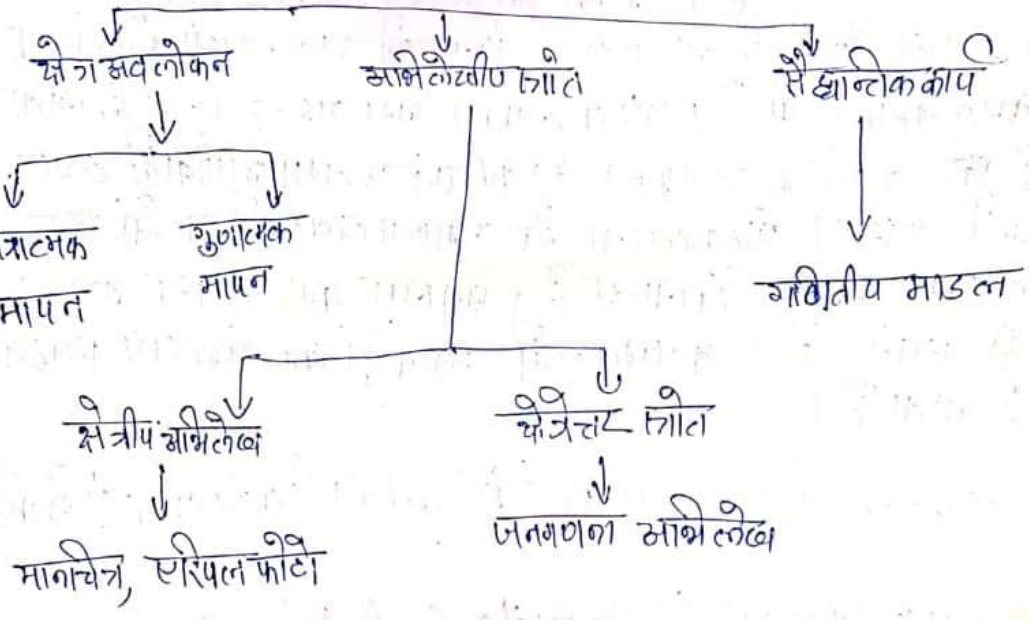

आंकड़ों के संग्रह की विधियां - गणना विधि तथा न्यादर्श विधि के लिए चित्र —

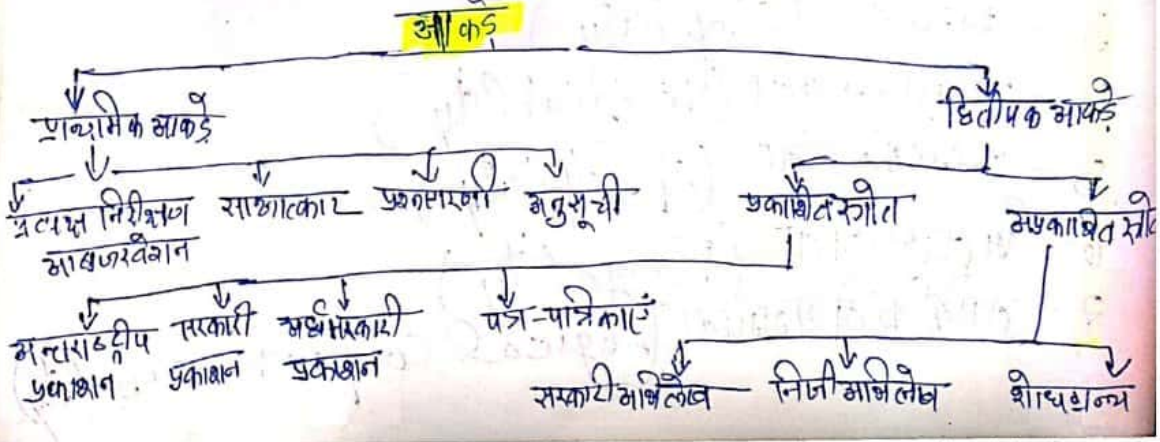

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner